

‘आ+रे-रे’

महा+रेश्वर्य-महेश्वर्य, गंगा+रेश्वर्य-गंगेश्वर्य

महा+रेन्द्रजातिक-महैन्द्रजातिक, तिकैत-तिका+रेत

यथैक्य-यथा+रेक्य

‘अ+ओ- औ’

परम + ओजस्वी - परम^औओजस्वी, जल + ओक - जल^औओक

जल + ओघ - जल^औओघ, वन + ओकस - वन^औओकस

'अ + औ - औ'

परम + औषधि - परमौषधि, मिलन + औचित्य - मिलनौचित्य

औ

औ

मंत्रौषधि - मंत्र + औषधि, प्रौद्योगिकी - प्र + औद्योगिकी

औ

औ

देवौदार्य - देव + औदार्य, पूर्वोपनिवेशिक - पूर्व + औपनिवेशिक

औ

औ

‘आ+ओ- औ’

गंगा+ओक - गंगौक, महा+ओज - महौज
 औ औ

महौजस्वी - महा+ओजस्वी, यमुनौघ - यमुना+ओघ
 औ

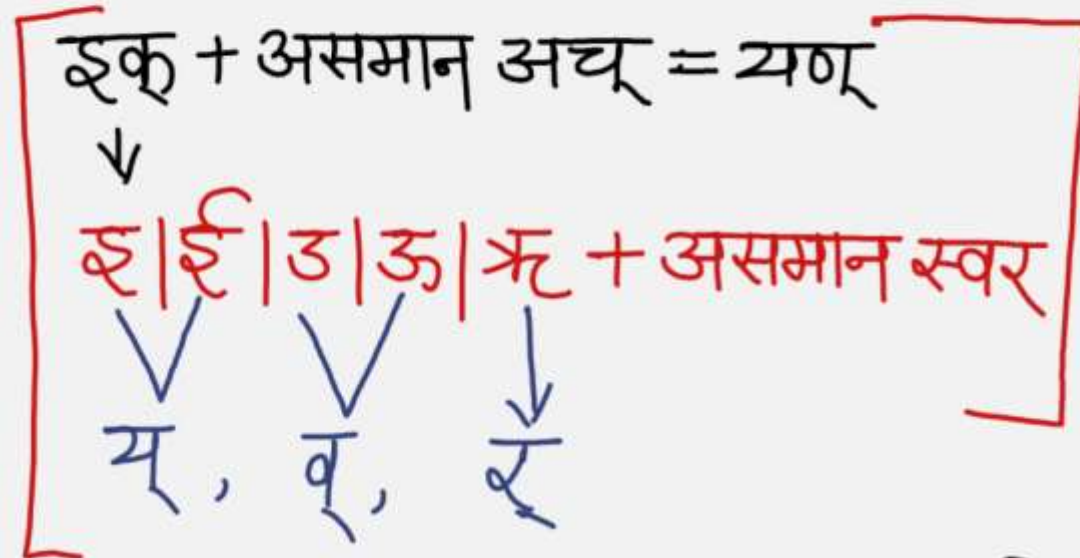
‘आ + औ - ओ’

महा + औषधि - महौषधि, महा + औदार्य - महौदार्य

सृष्टौषधि - सृष्टा + औषधि

वृथौदार्य - वृथा + औदार्य

④ यण् स्वर संधि- 'इकोयणचि'



यदि इ|ई|उ|ऊ और ऋ के बाद कोई असमान स्वर आ जाय तो इ|ई का 'य्', उ|ऊ का 'व्' और ऋ का 'र्' हो जाता है-

'इ/ई + असमान स्वर'

य

परि + आवरण
↓
इ पर्य आवरण
↓
य पर्यावरण

अयंभक - त्रि + अंभक
↓
इ त्रय अंभक
↓
य अयंभक

अभि + अर्थी
↓
इ अभ्यर्थी
↓
य अभ्यर्थी

प्रत्यक्ष - प्रति + अक्षि
↓
इ प्रत्यक्ष
↓
य प्रत्यक्ष

पर्यटन - परि + अटन ,
 ↓
 इत् पर्यटन
 ↓
 य् पर्यटन

अत्यावश्यक - अति + आवश्यक
 ↓
 इत् अत्य आवश्यक
 ↓
 य् अत्यावश्यक

नद्यर्पण - नदी + अर्पण ,
 ↓
 इत् नद्यर्पण
 ↓
 य् नद्यर्पण

वाण्यौचित्य - वाणी + औचित्य
 ↓
 इत् वाण्यौचित्य
 ↓
 य् वाण्यौचित्य